CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

कृषि वस्तुओं पर शुल्क कटौती की संभावना नहीं: मंत्री पीयूष गोयल

भारत और ऑस्ट्रेलिया विस्तारित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत महत्वपूर्ण खनिजों को शामिल करना चाह रहे हैं, यहां तक कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर आयात शुल्क कम करने पर सरकार के आरक्षण को स्पष्ट कर दिया है।

पिछले साल, दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते, या अर्ली हार्वेस्ट स्कीम पर हस्ताक्षर किए और गोयल और फैरेल को साल के अंत तक एक पूर्ण व्यापार समझौते को पूरा करने का काम सौंपा गया है।

ऑस्ट्रेलिया पारंपरिक रूप से कृषि और डेयरी उत्पादों पर कम आयात शुल्क के लिए तर्क देता रहा है।

बोम्मई ने हावेरी में दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन किया

मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने घोषणा की है कि उनकी सरकार जिले में डेयरी फार्मिंग को बढ़ाने में मदद करने के लिए हावेरी में एक चारा उत्पादन इकाई स्थापित करेगी।

शुक्रवार को जंगमनकोप्पा गांव में हावेरी डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन और कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) में यूएचटी दूध प्रसंस्करण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, सीएम ने आश्वासन दिया कि नए चारा उत्पादन संयंत्र में गुणवत्ता वाले चारे का उत्पादन किया जाएगा।

बोम्मई ने यह भी कहा कि यूएचटी प्लांट में टेट्रा पैक में 80,000-100,000 लीटर दूध को प्रोसेस करने की क्षमता है। एक निजी कंपनी ने संयंत्र में जर्मन से आयातित उपकरण लगाए हैं जहां दूध को कम से कम 180 दिनों तक संरक्षित रखा जा सकता है। इससे कर्नाटक को पड़ोसी राज्यों को दूध की आपूर्ति करने में मदद मिलेगी।

रोहित जवा नए सीईओ और एमडी के रूप में एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर का नेतृत्व करेंगे

FMCG दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) ने रोहित जावा को नया प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया है। जावा 27 जून, 2023 से एचयूएल में नेतृत्व का प्रभार संभालेगा। वह संजीव मेहता की जगह ले रहे हैं जो 10 साल के परिवर्तनकारी कार्यकाल के बाद एचयूएल से सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं।

एचयूएल में सीईओ और एमडी होने के अलावा, जावा यूनिलीवर साउथ एशिया में प्रेसिडेंट का पद भी संभालेंगी। वह 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी यूनिलीवर लीडरशिप एक्जीक्यूटिव (यूएलई) में भी शामिल होंगे। हालांकि, जावा 1 अप्रैल, 2023 से एचयूएल में नामित सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में शामिल होंगे।

एचयूएल भारत की सबसे बड़ी फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनी है, जिसके उत्पाद देश के दस में से नौ घरों के जीवन को छूते हैं।

अप्रैल-जनवरी FY23 में भारत का कृषि निर्यात 10% बढ़ा; चावल के लदान में 16% की वृद्धि

चालू वित्त वर्ष (2022-23) के पहले दस महीनों के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 10% बढ़कर 21.79 बिलियन डॉलर हो गया, जो चावल, फलों और सब्जियों के शिपमेंट में बढ़ोतरी से प्रेरित है। पशुधन और डेयरी उत्पाद।

यह ऐसे समय में आया है जब वैश्विक व्यापार में मंदी और घरेलू निवेश में कमी और खपत की मांग के कारण जनवरी, 2023 में भारत का माल निर्यात 6.59% घटकर 32.91 बिलियन डॉलर हो गया। संचयी रूप से, हालांकि, अप्रैल-जनवरी 2022-23 के दौरान, देश का व्यापारिक निर्यात 8.51% बढ़कर 369.25 बिलियन डॉलर हो गया।

वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय के अनुसार, अप्रैल-जनवरी (2022-23) के दौरान बासमती चावल के निर्यात का मूल्य पिछले वर्ष के 2.7 बिलियन डॉलर से बढ़कर 3.8 बिलियन डॉलर हो गया। इसी अवधि के दौरान गैर-बासमती चावल के शिपमेंट में 3.3% की मामूली वृद्धि दर्ज की गई और यह 5.1 बिलियन डॉलर हो गया।

पिछले वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के साथ 3.3 अरब डॉलर रहा। इसी अवधि के दौरान अकेले डेयरी उत्पादों ने 10% की वृद्धि दर्ज की और 512 मिलियन डॉलर हो गए। प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों के निर्यात में अप्रैल-जनवरी, 2022-23 में सालाना आधार पर 29% की वृद्धि हुई और यह 1.6 बिलियन डॉलर हो गया।

वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में वृद्धि का श्रेय विभिन्न देशों में बी2बी प्रदर्शनियों के आयोजन, वैश्विक हाइपरमार्केट श्रृंखलाओं के साथ गठजोड़, सक्रिय भागीदारी द्वारा उत्पाद-विशिष्ट विपणन अभियानों के माध्यम से नए संभावित बाजारों की खोज जैसी केंद्र की पहलों के कारण देते हैं। भारतीय मिशनों की।

कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल का कहना है कि हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 48% की कमी आई है

राज्य के कृषि और किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा कि हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं पिछले साल अक्टूबर और जनवरी 2023 के बीच 2021-2022 की इसी अवधि की तुलना में 48 प्रतिशत घटकर 6,800 से घटकर 3,800 रह गईं। अपने "जीरो बर्निंग" लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में। उन्होंने यह भी दावा किया कि 22 अक्टूबर को पंजाब में "50,000 से अधिक" पराली जलाने की घटनाएं हुई थीं।

दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों से 2,500 रुपये प्रति क्विंटल के निर्धारित मूल्य पर पराली खरीद रही है। “किसानों के पास फ़सल बोने के लिए कम समय होता है। अगर सरकार उचित मूल्य पर पराली खरीदती है, तो किसान निश्चित रूप से इसे नहीं जलाएंगे।”

उन्होंने कहा कि सरकार की योजना यह सुनिश्चित करने की है कि बारिश का पानी किसी किसान के खेत में तीन दिनों से अधिक समय तक खड़ा न रहे और इसके लिए बाढ़ नियंत्रण विभाग को 1,200 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने पिछले पांच वर्षों में अपने वार्षिक बजट में कृषि के लिए आवंटन पांच गुना बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2013-14 में बजट 800 करोड़ रुपये था और इस साल इसे 6,200 करोड़ रुपये रखा गया है। सिंचाई बजट में भी 30 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है।

दिवाली तक बढ़ेंगे दूध के दाम: मदर डेयरी एमडी

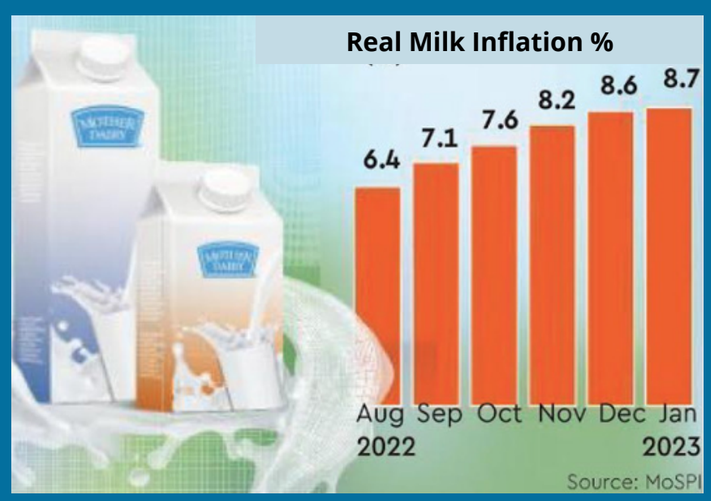

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एक प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता, मदर डेयरी के एक वरिष्ठ अधिकारी, फ़ीड और कच्चे माल की उच्च लागत और आपूर्ति की चुनौतियों के कारण इस साल अक्टूबर तक दूध की कीमतें उच्च स्तर पर रहने की संभावना है।

मदर डेयरी और अमूल सहित संगठित खिलाड़ियों ने पिछले एक साल में चारे की ऊंची कीमत, मजबूत मांग और गांठदार त्वचा की खबरों के कारण कुछ प्रभाव का हवाला देते हुए दूध की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल्स के प्रबंध निदेशक, मनीष बंदलिश ने कहा, "इस साल दीवाली तक दूध की उच्च कीमतों से कोई राहत नहीं मिली है, क्योंकि फ़ीड और कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई है।"

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि दूध की उत्पादन लागत में 65% से अधिक की हिस्सेदारी वाली फ़ीड लागत एक साल पहले के 8 रुपये किलो से बढ़कर 20 रुपये किलो हो गई है।

एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश सी शाह ने पहले कहा था कि पिछले एक साल में चारे और चारे की लागत में 25% की वृद्धि हुई है और पशुओं में गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) फैलने के कारण कुछ इलाकों में दूध उत्पादन में कुछ गिरावट आई है। जनसंख्या।

जनवरी में दूध की महंगाई दर 8.79% थी। पिछले साल फरवरी में साल दर साल 3.81% की उछाल के बाद से कीमतें बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित चारा मुद्रास्फीति की वार्षिक दर दिसंबर 2022 में 28.66% से बढ़कर जनवरी 2023 में 29.30% हो गई। जनवरी 2022 में, चारा मुद्रास्फीति 7.14% दर्ज की गई और तब से यह लगातार बढ़ रही है।

NITI Aayog पैनल ने गौशालाओं के लिए पूंजी सहायता की वकालत की

नीति आयोग के एक पैनल ने सुझाव दिया कि गौशालाओं को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए कृषि में उपयोग के लिए गाय के गोबर और गोमूत्र-आधारित योगों के विपणन और विपणन के माध्यम से गौशालाओं की मदद की जानी चाहिए।

इसके अलावा, नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद की अध्यक्षता वाली टास्क फोर्स ने सभी गौशालाओं के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए एक पोर्टल स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

'गौशालाओं की आर्थिक व्यवहार्यता में सुधार पर विशेष ध्यान देने के साथ जैविक और जैव उर्वरकों का उत्पादन और संवर्धन' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि गौशालाओं को रियायती ब्याज दरों पर पूंजी निवेश और कार्य व्यय करने के लिए उदारतापूर्वक वित्तपोषित किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, सभी गौशालाओं के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए नीति आयोग के दर्पण पोर्टल जैसा एक पोर्टल बनाया जाना चाहिए, जो तब पशु कल्याण बोर्ड से समर्थन प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

गोबर आधारित जैविक उर्वरकों के व्यावसायिक उत्पादन, पैकेजिंग, विपणन और वितरण को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट नीतिगत उपायों और समर्थन की आवश्यकता है, जिसमें ब्रांड विकास भी शामिल है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है, कृषि में उपयोग के लिए जैविक और जैव-उर्वरकों, जैव-कीटनाशकों, मिट्टी-समृद्ध उत्पादों और उत्तेजक के बड़े पैमाने पर उत्पादन में निजी निवेश को आकर्षित करने के प्रयास किए जाने चाहिए, और घरों में उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के फॉर्मूलेशन।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।